Need to start train services in Koshi and border area of Bihar - laid

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): 1934 के विनाशकारी भूकंप की वजह से तथा 2008 की विनाशक बाढ़ से बिहार के कोसी तथा सीमावर्ती क्षेत्रो की कई रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो गयी थी। उसी समय की क्षतिग्रस्त रेल लाइन, पूर्व मध्य रेलवे के प्रतापगंज से भीमनगर 57 कि.मी. तक क्षतिग्रस्त रेल खंड का सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है। साथ ही बिहारीगंज और बीरपुर के बीच नई रेल लाइन के लिए भी सर्वेक्षण किया जा रहा है। परन्तु अत्यंत धीमी गति से सर्वेक्षण तथा अन्य कार्य होने की वजह से क्षेत्र की जनता में काफी आक्रोश है। निजी यात्री सड़क वाहन के मालिकों के द्वारा मनमानी किराया वसूली से क्षेत्र की जनता काफी त्रस्त है। रेलवे के सिवा यात्री सुविधा के लिए और कोई विकल्प नहीं है । कृपया उक्त रेल खंड पर सामरिक दृष्टिकोण से जनहित में यथाशीघ्र रेल गाड़ियों के परिचालन का शुभारम्भ किया जाय ।